18. मैसर्स इंडिया सीमेंट्स लि०
19. मैसर्स जे०के० कारपोरेशन लि०
20. मैसर्स उषा बेल्ट्रान लि०
21. मैसर्स गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स कंपनी लि०
22. मैसर्स श्रीराम इंडस्ट्रियल एन्टरप्राइसिज लि०
23. मैसर्स हिन्दुस्तान डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि०
24. मैसर्स ईस्ट इंडिया होटल्स लि०
25. मैसर्स बजाज ऑटो लि०
26. मैसर्स रेमण्ड वूलन मिल्स लि०
27. मैसर्स आई०पी०सी०एल० लि०
28. मैसर्स लारसन एण्ड टूब्रो लि०
29. मैसर्स एन०ई०पी०सी०—माइकन लि०
30. मैसर्स ओरियन्टल होटल्स लि०
31. मैसर्स अशोक लीलैण्ड लि०

सरकारी कर्मचारियों पर किए जाने वाले वार्षिक व्यय में वृद्धि

4418. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत वर्षों से सरकारी कर्मचारियों के वेतन, भत्तों आदि पर खर्च की जा रही राशि में निरंतर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991–92 में कुल कितनी राशि व्यय की गयी थी ;

(ग) वित्तीय वर्ष 1994–95 में कितनी राशि खर्च किए जाने का अनुमान है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि गत वर्षों में सरकार द्वारा इस राशि में निरंतर कमी करने के प्रयास किए गए है ; और

(ङ) यदि हां, तो इन प्रयासों का विस्तृत ब्यौरा क्या है और भविष्य में इस राशि में कमी करने के लिए सरकार की क्या योजना है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम०बी० चन्द्रशेखरमूर्ति) : (क) से (ग) मंहगाई भत्ते में वृद्धि होने, वार्षिक वेतन-वृद्धियों और मकान किराया भत्ता, नगर प्रतिपूरक भत्ता आदि के प्रयोजन के लिए शहरों का दर्जा बढ़ाने के कारण गत वर्षों से सरकारी कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों आदि पर वार्षिक व्यय में वृद्धि हुई है । केन्द्रीय सरकारी (सिविलियन) कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों पर वर्ष 1991–92 के दौरान 11,462 करोड़ रु० के कुल व्यय की तुलना में 1994–95 के दौरान 15,532 करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है ।

(घ) और (ङ) केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों पर होने वाले व्यय को कम करने के लिए सरकार के प्रयास जारी है । इस सम्बन्ध में सभी मंत्रालयों/विभागों को इस आशय के अनुरोध जारी किए गए हैं कि वे अपने कर्मचारियों की संख्या में कम से कम 10% की कटौती कर दें । ये आदेश भी जारी किए गए हैं कि एक साल से ज्यादा समय तक खाली पड़े हुए पदों को समाप्त हुआ समझा जाए ।

Public Sector Banks in the country

4419. SHRI T. VENKATRAM REDDY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the number of branches of Public Sector Banks in the country, State-wise; and

(b) the deposits growth during each of the past two years; State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) The number of branches of public sector banks including Regional Rural Bank functioning in each State as at the end of December 1994 is given in the Statement—I (*See* below)

(b) The aggregate deposit of Scheduled Commercial Banks during each of the last two years ending March, 1993 and 1994 in each State is given in the Statement-II